धाओं/स्थितियों का दर्जा बढ़ाने तथा तथा उन्हें आधुनिक बनाने हेतु समय-समय पर प्रयास किए जाते हैं बशर्ते संसाधन संबंधी कोई कठिनाई आड़े न आए ।

परिवार कल्याण संबंधी और आदिवासियों के स्वास्थ्य योजनाओं का आरम्भ किया जाना

2126. **डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री कैलाश नारायण सारंग :
क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने देश में स्वास्थ्य कल्याण संबंधी और आदिवासियों के स्वास्थ्य के संबंध में अनेकों योजनायें विगत में आरम्भ की हैं;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इन योजनाओं के कार्यान्वियन पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गई ;

(ग) क्या इन योजनाओं के कार्यान्वयन की समय-समय पर सरकार द्वारा समीक्षा की जाती है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी. के. तारादेवी सिद्धार्थ) : (क) जी हां।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा परिवार कल्याण और आदिवासी स्वास्थ्य योजनाओं पर खर्च की गई कुल धनराशि इस प्रकार है :–

वर्ष	परिवार कल्याण (लाख रु. में)	आदिवासी स्वास्थ्य (लाख रु. में)
1989–90	1000.00	152.42
1990–91	588.00	358.40
1991–92	600.00	252.99

(ग) और (घ) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समय-समय पर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के कार्यकलापों और कार्यक्रमों की सामान्य समीक्षाएं की जाती हैं जबकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् अपनी अनुसंधान योजनाओं के लिए एक वार्षिक समीक्षक तंत्र की भूमिका निभाता है। वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के स्थायी केन्द्रों एवं प्रगतिशील अनुसंधान केन्द्रों पर अंतर्भित्तिक अनुसंधान की समीक्षा की जाती है। समीक्षक समूह द्वारा कर्म शक्ति परियोजनाओं के लिए बाह्यभित्तिक अनुसंधान की समीक्षा की जाती है। तदर्थ परियोजनाओं की समीक्षा परियोजना सलाहकार समिति या परियोजना समीक्षा समिति द्वारा की जाती है। अध्यतावृत्ति समिति/परियोजना समीक्षा समिति द्वारा अध्येतावृत्तियों की समीक्षा की जाती है। समस्त बाह्यभित्तिक अनुसंधान की समीक्षा वैज्ञानिक कार्य का अध्ययन करने वाले समूह द्वारा की जाती है। अंतर्भित्तिक और बाह्यभित्तिक अनुसंधान की साथ-साथ समीक्षा वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा की जाती है। वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, जो एक शीर्षस्थ सलाहकार निकाय है, विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का समग्र रूप से मूल्यांकन करता है तथा अनुसंधान एवं विकास के नव्यतर क्षेत्रों को बतलाता है । अधिकतर इन सलाहकार समितियों के सदस्य देश के ही गण्यमान्य वैज्ञानिक, कार्यक्रम प्रबंधक और नीति निर्माता होते हैं। वार्षिक समीक्षा के अतिरिक्त, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के तंत्र ने हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के 33 मानव प्रजनन अनुसंधान केन्द्रों में किए गए कार्य का बाह्य मूल्यांकन किया है।

Expenditure on Family Welfare Programme

2127. SHRI RAMDAS AGARWAL : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :